दक्षिण और मध्य भारत के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों तथा उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों से सीएम का संवाद

जहां विश्वविद्यालय नहीं, वहां खुलेंगे: योगी

तैयारी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जिन जिलों में कोई विश्वविद्यालय स्थापित नहीं है, वहां अपने विश्वविद्यालय स्थापित करने वाले निवेशकों को राज्य सरकार नीति के अनुरूप हर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री ने यह बातें बुधवार को दक्षिण भारत और मध्य भारत के प्रतिष्ठित निजी विश्वविद्यालयों तथा उच्च शिक्षण संस्थानों के कुलाधिपतियों, कुलपतियों, प्रतिकुलपतियों, निदेशकों, व अन्य प्रतिनिधियों से संवाद के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री ने देश के प्रतिष्ठित निजी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थान समूहों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रण दिया है। उन्होंने कहा है कि शिक्षा में किया गया निवेश कभी व्यर्थ नहीं जाता। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पूर्व प्रदेश में 12 मेडिकल कॉलेज थे, बीते छह वर्षों के प्रयास के बाद अब 45 जिलों में सरकारी मेडिकल कालेज संचालित हैं, जबकि 16 निर्माणाधीन हैं और पीपीपी मोड पर 16 और मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो रही है। आज प्रदेश में 22 राज्य व तीन केंद्रीय विश्वविद्यालय संचालित हैं। तीन राज्य विश्वविद्यालय निर्माणाधीन हैं जबकि 36 निजी विश्वविद्यालय, दो एम्स, दो आईआईटी व आईआईएम हैं। 2000 से अधिक पॉलिटेक्निक व वोकेशनल इंस्टिट्यूट भी संचालित हैं। बावजूद इसके, अभी बहुत से जिले ऐसे हैं, जहां विश्वविद्यालय नहीं हैं। सीएम ने कहा कि निजी क्षेत्र में अनेक शैक्षिक संस्थानों ने उत्कृष्टता का मानक स्थापित किया है। उत्तर प्रदेश, इनके अनुभवों का लाभ प्रदेश के युवाओं को दिलाने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के लिए यह आश्चर्यजनक हो सकता है लेकिन यह सत्य है कि बेसिक शिक्षा के विद्यालयों में 1.91 करोड़ बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। पूर्वी यूपी के स्वास्थ्य केंद्र या शिक्षण संस्थान में जाएं, वहां नेपाल, बिहार, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के लोग भी मिलेंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को दक्षिण भारत और मध्य भारत के प्रतिष्ठित निजी विश्वविद्यालयों तथा उच्च शिक्षण संस्थानों के कुलाधिपतियों, कुलपतियों, प्रतिकुलपतियों, निदेशकों, सीईओ व अन्य प्रतिनिधियों से संवाद किया।

संवाद में इनकी सहभागिता

- डॉ. एमआर जयराम–चेयरमैन–रमैया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, कर्नाटक
- डॉ. अमित भल्ला– वाइस प्रेसिडेंट–मानव रचना एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन, हरियाणा
- जीबी सेल्वम– वाइस प्रेसिडेंट–वीआईटी यूनिवर्सिटी, वेल्लौर
- संजीब कुमार – प्रेसिडेंट– सीबी रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी, ओडिशा
- डॉ. एन विशाल हेगड़े– प्रो–चांसलर– निति डीम्ड यूनिवर्सिटी–कर्नाटक
- एस. सिमरप्रीत सिंह– निदेशक–जेआईएस ग्रुप एजुकेशनल इनिशिएटिव–पश्चिम बंगाल
- डॉ मोहम्मद फरहाद– कर्नाटक
- रवि वर्मा–प्रो चांसलर– एमएनआर यूनिवर्सिटी–तेलंगाना
- ध्रुव गलगोटिया– सीईओ–गलगोटिया यूनिवर्सिटी